# विद्यावारिधि (Ph.D)

## शैक्षणिक सत्र 2023-2024

# शिक्षापीठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110016

# विद्यावारिधि पाठ्यक्रम ( शिक्षा ) Ph.D Course work ( Education)

**विद्यावारिधि पाठ्यक्रम-शिक्षा** (6 माह) हेतु विहित कार्य का निर्धारण भावी शोधार्थियों में अपेक्षित शोध कौशलों का विकास और शोध का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से किया गया है जिससे शोधार्थी प्रस्तावित क्षेत्र में गुणवत्ता के साथ शोध प्रक्रिया का नियोजन, सम्पादन क्रियान्वयन एवं आकलन सम्यक् रूप से कर सकें।

**यह पाठ्यक्रम यू.जी.सी. मानकों के अन्तर्गत 16 क्रेडिट के अनुसार निर्मित किया गया है।**

**इस पाठ्यक्रम के अध्ययनोपरान्त शोधार्थी:**

- शोध क्षमताओं एवं दक्षताओं का विकास कर सकेंगे।
- शोध कार्य के लिये अपेक्षित तत्परता विकसित कर सकेंगे।
- शोध समस्या का उपयुक्त निरूपण, उपकरण चयन, उपकरण निर्माण, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण से सम्बन्धित क्षमताओं को विकसित कर सकेंगे।
- शोध संक्षिप्तिका निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण सम्बन्धी क्षमताओं का विकास कर सकेंगे।
- शोध पत्र एवं शोध प्रबन्ध लेखन प्रक्रिया के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों से अवगत हो सकेंगे।
- प्राचीन एवं साम्प्रतिक शैक्षिक विचारों से अवगत हो सकेंगे।
- अन्तर्विषयक अध्ययन सम्बन्धी दक्षता का विकास कर सकेंगे।
- शोध एवं प्रकाशन आचार संहिता से परिचित हो सकेंगे।
- शोध कार्य में संगणक अनुप्रयोग सम्बन्धित क्षमताओं एवं दक्षता का विकास कर सकेंगे।

## विद्यावारिधि ( शिक्षा ) पाठ्यक्रम का स्वरूप

**कुल अंक** = 400 **कुल क्रेडिट**-16

| क्रमांक | पत्र | अंक | क्रेडिट |
|---|---|---|---|
| 1 | शैक्षिक अनुसंधान (सैद्धान्तिक) | 100 | 4 |
| 2 | शोधोपकरण निर्माण एवं प्रदत्त विश्लेषण | 100 | 4 |
| | (क) सैद्धान्तिक | 50 | |
| | (ख) प्रायोगिक | 50 | |
| 3 | शोध एवं प्रकाशन आचार संहिता | 100 | 4 |
| | (क) सैद्धान्तिक | 50 | |
| | (ख) प्रायोगिक | 30 | |
| | (ग) पत्र प्रस्तुति | 20 | |
| 4 | Introduction to Computer | 100 | 4 |
| | A -Theroy | 50 | |
| | B -Practical | 30 | |
| | C -Assignment | 20 | |

# प्रथम पत्र - शैक्षिक अनुसन्धान

कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम

## इस कोर्स के अध्ययोनपरान्त शोधार्थी:

- शैक्षिक अनुसन्धान की अवधारणा एवं प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।
- शैक्षिक अनुसन्धान के विविध उपागमों एवं उनकी प्रक्रियाओं से अवगत हो सकेंगे।
- शोध समस्या निर्धारण प्रक्रिया से सम्बन्धित कुशलताओं का विकास कर सकेंगे।
- शोध की परिमाणात्मक एवं गुणात्मक विधियों एवं अभिकल्पों के सन्दर्भ में प्रवीणता विकसित कर सकेंगे।
- शोध की दृष्टि से भारतीय शोध संस्थाओं के योगदान से अवगत हो सकेंगे।

## पाठ्यवस्तु

### इकाई-१ : शैक्षिक अनुसन्धान एवं उपागम

- अनुसन्धान- अवधारणा, प्रकार्य एवं प्रकार - मौलिक,व्यवहृत एवं क्रियात्मक अनुसंधान
- शैक्षिक अनुसन्धान - अवधारणा, विशेषताएं, उद्देश्य, आवश्यकता एवं अनुक्षेत्र (विशेषकर संस्कृत शिक्षा के सन्दर्भ में)
- शोध उपागम- परिमाणात्मक एवं गुणात्मक उपागम इनकी शोध प्रक्रिया एवं प्रणालीगत विशिष्टताओं के आधार पर विभेद करना।
- अन्तर्विषयक अध्ययन, संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में शोध सम्भावनाएँ।
- शोध के सामान्य मुद्दे - शोध की आन्तरिक एवं बाह्य वैधता, शोध में सम्भावित त्रुटियां एवं उनका निरसन, शोध प्रदत्तों हेतु प्राथमिक एवं गौण स्रोत, नैतिक मुद्दे एवं आचार संहिता।

### इकाई-२ : शोध समस्या निरूपण प्रक्रिया

- समस्या क्षेत्र की पहचान, समस्या के स्रोत, समस्या चयन, परिभाषीकरण, सीमांकन एवं मूल्यांकन।
- परिमाणात्मक एवं गुणात्मक उपागम शोध समस्या में अन्तर।
- शोध के चर - अभिप्राय, प्रकार एवं महत्व।
- शोध प्रश्न एवं परिकल्पना - अभिप्राय, लेखन एवं महत्व।
- सम्बन्धित साहित्य सर्वेक्षण- अभिप्राय, महत्व, अपेक्षित कौशल, प्राथमिक एवं द्वितीय (गौण) साहित्य के स्रोत, सम्बन्धित अध्ययनों का व्यवस्थीकरण, संक्षेपीकरण, समीक्षा, संदर्भग्रन्थ सूची एवं ग्रन्थ सूची लेखन।

### इकाई-३ : परिमाणात्मक शोध विधि एवं अभिकल्प

- समग्र - अवधारणा एवं परिभाषीकरण।
- प्रतिदर्श - अवधारणा, प्रतिचयन प्रविधियाँ, प्रतिदर्श के लिये अपेक्षित आकार एवं त्रुटियाँ।
- परिमाणात्मक विधियाँ - प्रयोगात्मक, कार्योत्तर, सर्वेक्षण (वर्णनात्मक एवं सहसम्बन्धात्मक) एवं उनके अभिकल्प)

**इकाई-४ : गुणात्मक शोध विधि**

- ऐतिहासिक, दार्शनिक, प्रजातिक, व्यष्टि अध्ययन, अभिलेख विश्लेषण, विकासात्मक अध्ययन।
- संयुक्त/ मिश्रित विधि - अवधारणा, आवश्यकता, अभिकल्प के प्रकार (अभिसृत समानान्तर, व्याख्यात्मक अनुक्रमिक, समन्वेशी अनुक्रम, सन्निहित अभिकल्प, बहु अवस्था अभिकल्प)
- प्राच्यविद्याशोधकेन्द्र- विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, पंजाब; प्राच्य विद्याशोधकेन्द्र, बड़ौदा विश्वविद्यालय गुजरात; अडयार शोधकेन्द्र चेन्नई; काशिराज न्यास पौराणिक शोधकेन्द्र, वाराणसी; इन्दिरागॉधी राष्ट्रीय कला केन्द्र(IGNCA)दिल्ली।

**अध्येय ग्रन्थ–**


पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.

त्रिपाठी, एल.बी. एवं भार्गव, हरप्रसाद, (1990) मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा,उ.प्र.

गुप्ता, एस.पी., (1998) शिक्षा में सांख्यिकी, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.

पाण्डेय, के.पी. (2005) शिक्षा तथा मनोविज्ञान में सांख्यिकी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.

गुप्ता एस.पी., (2000) अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली

शर्मा,आर. ए.(2005) शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.

भटनागर. ए.बी. (2002) शिक्षा अनुसंधान की कार्यप्रणाली, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.

Pandey,K.P.,(2005) Fundamentals of Educational Research; Vishwavidyalaya Prakashan, Chowk, Varanasi.

Best, John W., (2000) Research in Education, Prentice Hall Inc, New Delhi.

Kerlinger, F.N., (2000) Foundations of Behavioral Research, Surjeet Publications, Kamla Nagar, New Delhi

Keeves, J.P.,(1997) Educational Research Methodology And Measurement, International Handbook, Pergamon Press.

Pathak, R.P., Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.

Pathak R.P. (2008) Methodology of Educational Research, Atlantic Publishers New Delhi.

Sansanwal, D.N. (2020) Research Methodology and Applied Statistics, New Delhi, (Shipra) Publication New Delhi.

## द्वितीय पत्र-शोधोपकरण निर्माण एवं प्रदत्त विश्लेषण

**कुल अंक**-100

(क) सैद्धान्तिक - 50 अंक

(ख) प्रायोगिक - 50 अंक

**कोर्स अधिगम परिणाम**

**इस कोर्स के अध्ययोनपरान्त शोधार्थी:**

- शोधोपकरण के सम्प्रत्यय एवं आवश्यकता से अवगत हो सकेंगे।
- शोधोपकरण के विविध प्रकारों से अवगत हो सकेंगे।
- शोधोपकरण की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।
- शोधोपकरण निर्माण की प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।
- शोधोपकरण निर्माण हेतु दक्षता का विकास कर सकेंगे।
- प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण प्रक्रिया से सम्बन्धित क्षमता का विकास कर सकेंगे।
- शोध संक्षिप्तिका एवं प्रतिवेदन लेखन के स्वरूपों एवं उसमें प्रचलित औपचारिकताओं से परिचित हो सकेंगे।

### (क) सैद्धान्तिक 50 अंक

पाठ्य–वस्तु

**इकाई- १ : शैक्षिक शोध में प्रयुक्त उपकरण एवं प्रविधि**

- सम्प्रत्यय, आवश्यकता, एवं विशेषताएँ (व्यवहारिक एवं तकनीकी)
- शोधोपकरण के प्रकार-प्रश्नावली, अनुसूची, मापनी, मनोवैज्ञानिक परीक्षण (बुद्धि, रूचि, अभिवृत्ति, अभिक्षमता, व्यक्तित्व)
- प्रदत्त संकलन प्रविधियाँ- साक्षात्कार, प्रेक्षण, प्रेक्षपीय प्रविधि, समाजमिति
- शोधोपकरण निर्माण (प्रश्नावली, मापनी एवं परीक्षण निर्माण)

योजना बनाना-प्रारम्भिक योजना, उद्देश्यों का व्यवहारपरक लेखन, प्रारूप तैयार करना।

उपकरण निर्माण-पद लेखन, प्रथम प्रारूप की प्रारम्भिक जाँच, उपकरण का द्वितीय प्रारूप निर्माण, उपकरण की वास्तविक जाँच, पद विश्लेषण एवं पद चयन, उपकरण का अन्तिम प्रारूप तैयार करना।

उपकरण मूल्यांकन-अभिप्राय, आवश्यकता, विश्वसनीयता, वैधता एवं मानक।

**इकाई- २ : प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण**

- प्रदत्त संकलन प्रक्रिया- परिमाणात्मक एवं गुणात्मक विधियों के सन्दर्भ में।
- त्रिभुजीकरण (Triangulation)
- सांख्यिकीय विश्लेषण- अभिप्राय, प्रदत्त व्यवस्थापन एवं वर्गीकरण, वर्णनात्मक विश्लेषण (केन्द्रीय प्रवृत्ति के मान, मानक विचलन, सहसम्बन्ध गुणांक) एवं अनुमानपरक विश्लेषण प्राचलिक एवं अप्राचलिक विश्लेषण आधारित साँख्यिकीय विधियाँ (t- test, ANOVA ANCOVA, Chi Square, Median test, Mann Whitney U-test )
- परिकल्पना परीक्षण एवं त्रुटियाँ(टाइप 1 एवं 2)
- गुणात्मक विश्लेषण-आधार सामग्री के प्रकार, व्यवस्थापन, कूट संकेतन, प्रस्तुतिकरण, निष्कर्ष एवं व्याख्या, वैधता निर्धारित करना।

**इकाई-३ शोध प्रतिवेदन**

- शोध प्रतिवेदन- शोध संक्षिप्तिका, शोध पत्र, शोध प्रबन्ध, शोध प्रस्ताव( प्रारूप, ध्यातव्य बिन्दु एवं लेखन)
- सन्दर्भ के प्रकार एवं सन्दर्भ लेखन शैली
- शोध कार्य का मूल्याकंन।

**( ख ) प्रायोगिक** 50 अंक

1) किसी एक शोधोपकरण का निर्माण- 20 अंक

2) शोधसंक्षिप्तिका निर्माण- 10 अंक

3) प्रदत्त/आधार सामग्री विश्लेषण- 20 अंक


गुप्ता एस.पी., (2000) अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.

शर्मा, आर. ए.(2005) शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्त्व एवं शोध प्रक्रिया,आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उत्तर प्रदेश

पैम डेनिकोलो, सिंडा वेकर(2020) शोध प्रस्ताव कैसे करें तैयार, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली

मूर्ति वासुदेव(2020) प्रभावी प्रस्ताव लेखन, सेज प्रकाशन नई दिल्ली

फ्रेडरिक एवं कूलिज (2020) सांख्यिकी, सेज प्रकाशन नई दिल्ली

जिवा ओलियरी(2020) रिसर्च प्रोजेक्ट करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन सेज प्रकाशन नई दिल्ली

Best, John W., (2000) Research in Education, Prentice Hall Inc, New Delhi.

Keeves, J.P., Educational Research Methodology And Measrement, International Handbook, Pergamon Press.

Guilford & Fruchter, (1987) Fundamental Statistics in Psychology & Education, McGraw Hill.

Garett, H.E(1982) Statistics in Psychology and Education Vakils, Fafer & Simons Pvt.Bombay.

Sidney Seigal(1969) Non- Parametric Statistics, Mc Graw Hill Book Co. New Delhi.

Pathak R.P(2015) Statistics in Education and Psychology Pearson Education New Delhi.

# तृतीय पत्र-शोध एवं प्रकाशन आचार संहिता

**कुल अंक**-100

(क) सैद्धान्तिक - 50 अंक

(ख) प्रायोगिक - 30 अंक

(ग) पत्र प्रस्तुति - 20 अंक

## कोर्स अधिगम परिणाम

## इस कोर्स के अध्ययोनपरान्त शोधार्थी:

- शोध एवं प्रकाशन आचार संहिता से अवगत हो सकेंगे।
- प्रकाशन सत्त्वाधिकार एवं आनलाईन नीतियों की जाँच के संसाधनों से अवगत हो सकेंगे
- शोध साहित्य के अनाधिकृत प्रयोग की जाँच हेतु कोमलतन्त्र से अवगत हो सकेंगे
- डाटाबेस एवं अनुसंधानमिति के विभिन्न सम्प्रत्ययों से अवगत हो सकेंगे
- साम्प्रतिक शैक्षिक विचारों से अवगत हो सकेंगे
- पत्र लेखन एवं प्रस्तुतिकरण में प्रवीणता का विकास कर सकेंगे

**( क ) सैद्धान्तिक ( 50 अंक )**

**इकाई–१. दर्शन एवं आचार संहिता**

- दर्शन का परिचय–परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र, सम्प्रत्यय, शाखाएँ
- आचार मीमांसा–परिभाषा, नैतिक दर्शन, नैतिक निर्णयों एवं प्रतिक्रियाओं की प्रकृति।

**इकाई–२. अनुसंधान आचार संहिता**

- विज्ञान एवं अनुसंधान के सम्बन्ध में आचार संहिता।
- बौद्धिक सत्यनिष्ठा एवं अनुसंधान प्रामाणिकता
- वैज्ञानिक अपचार: मिथ्याकरण, छल, शोध साहित्य का अनधिकृत प्रयोग। (PLAGIARISM)
- निरर्थक प्रकाशन: प्रतिरूप एवं परस्पर व्याप्ति प्रकाशन, SALAMI SLICING
- चयनात्मक प्रतिवेदन प्रस्तुति एवं प्रदत्तों का अप्रतिनिधिक प्रतिपादन

**इकाई–३. प्रकाशन नैतिक आचार संहिता**

- परिभाषा, परिचय एवं महत्त्व।
- COPE उत्कृष्ट प्रथाएँ/मानक स्थापना, उपक्रम एवं दिशा–निर्देश स्वहित साधकता
- प्रकाशन अपचार: सम्प्रत्यय, परिभाषा,अनैतिक व्यवहारजन्य समस्याएँ एवं अन्योन्य क्रियात्मक स्थिति एवं उनके प्रकार। ग्रन्थकारिता, योगदानकर्ता एवं प्रकाशन आचार का उल्लंघन।
- प्रकाशन अपचार एवं तत्सम्बन्धी शिकायतें एवं सुनवाई का अभिज्ञान।
- अपहरक प्रकाशक एवं पत्रिकाएँ।

**(ख) प्रायोगिक** ( 30 अंक)

1. **मुक्त अभिगम प्रकाशन** ( 10 अंक)

- मुक्त अभिगम प्रकाशन एवं पहल
- प्रकाशक सत्त्वाधिकार–एवं स्व संग्रह नीतियों की जाँच करने के आनलाइन संसाधन (SHERPA/ROMEO)
- अपहरक प्रकाशनों की पहचान के लिए SPPU द्वारा विकसित कोमलतंत्र उपकरण

- पत्रिका अन्वेषक/पत्रिका सुझाव उपकरण यथा JANE, ELSEVIER JOURNAL FINDER, SPRINGER JOURNAL SUGGESTER, etc.

२. प्रकाशन अपचार 10 अंक

- (अ) **समूह परिचर्चा** (विषय विशिष्ट आचार के मुद्दे, FFP, ग्रन्थकारिता,शोध साहित्य विषय का अनाधिकृत प्रयोग। )
- स्वहित साधकता
- भारत एवं विदेशों में घटित अपचारिता के उदाहरण शिकायतें एवं सुनवाई।

(ब) **कोमल तंत्र उपकरण (Software) का उपयोग**—Turnitin, Urkund — एवं अन्य Software

3. **डाटाबेस एवं अनुसन्धानमिति** 10 **अंक**

- डाटाबेस का सूचीकरण
- डाटाबेस उद्धरण ( Web of Science, Scopus etc.)
- अनुसंधानमिति (h-index,g index, i 10 index, Altmetrics)
- प्रभावकारिता कारक ( Journal citation Report, SNIP, SJR, IPP, Cite Score)

## (ग) पत्र प्रस्तुति ( २० अंक )

पत्र लेखन एवं प्रस्तुतिकरण - 20 अंक

साम्प्रतिक शैक्षिक विचार आधारित यथा-

- शान्ति शिक्षा, मूल्य शिक्षा, मानवाधिकार शिक्षा, जेंण्डर शिक्षा, समावेशित शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा भारतीय एवं वैश्विक सन्दर्भ में शिक्षा।

**अध्येय ग्रन्थ**

Yadav, Santosh Kumar,(2020) Research and Publication Ethics Ane book Pvt.Ltd. New Delhi.
UGC(2020) Good Academic Research Practices.

अन्तर्जाल स्त्रोत

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.सी. पाठशाला, Swayam, Moocs इत्यादि में उपलब्ध प्रस्तुतियॉं

**Paper - 4**

**Ph.D.**

**Code: CC-04 (Compulsory Paper: Introduction to Computers)**

# लिखित परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र स्वरूप

100 **अंक**

| खण्ड | प्रश्न प्रकार | प्रश्नों की संख्या | अंक/प्रश्न | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| क | वस्तुनिष्ठ/ अतिलघुत्तरीय (अनिवार्य) | 10 (प्रत्येक इकाई से न्यूनतम 2) | 2 X 10 | 20 |
| ख | लघुत्तरीय (वैकल्पिक) | 6 प्रश्न (प्रत्येक इकाई से न्यूनतम 1) 6 में से कोई 4 प्रश्न हल करने हैं | 5 X 4 | 20 |
| ग | दीर्घ उत्तरीय (आन्तरिक विकल्प) | 8 प्रश्न (4 इकाईयों के लिए) | 15 X 4 | 60 |

50 **अंक**

| खण्ड | प्रश्न प्रकार | प्रश्नों की संख्या | अंक/प्रश्न | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| क | वस्तुनिष्ठ/ अतिलघुत्तरीय (अनिवार्य) | 5 (प्रत्येक इकाई से न्यूनतम 1) | 2 X 5 | 10 |
| ख | लघुत्तरीय (वैकल्पिक) | 3 प्रश्न (3 प्रश्नों में से कोई 2 प्रश्न हल करने हैं) | 5 X 2 | 10 |
| ग | दीर्घ उत्तरीय (आन्तरिक विकल्प) | 6 प्रश्न((3 इकाईयों के लिए) | 10 X 3 | 30 |